शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर

धरमपुरा–2, जगदलपुर, जिला–बस्तर, छत्तीसगढ़, भारत पिनकोड 494001

Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar

Dharampura-2, Jagdalpur, Dist.-Bastar, Chhattisgarh, India, Pin code 494001

Telephone 07782-229037, Fax 07782-229037 Website: www.bvvjdp.ac.in

क्रमांक / 946 /अका./पाठ्यक्रम/2022 जगदलपुर, दिनांक ..../10/2022

21 OCT 2022

//अधिसूचना//

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर के विद्यापरिषद की बैठक दिनांक 11.07.2022 एवं कार्यपरिषद की 40वीं बैठक दिनांक 14.07.2022 में लिये गये निर्णयानुसार विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के अन्तर्गत विभिन्न अध्ययनशाओं में एवं विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित निम्नलिखित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संशोधित सिलेबस सत्र 2022–23 से लागू किया जाता है:–

क्रमांक	विषय/पाठ्यक्रम का नाम	परीक्षा प्रणाली
1	एम.ए. हिन्दी	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
2	एम.कॉम. वाणिज्य	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
3	एम.ए./एम.एस.सी. मानवविज्ञान एवं जनजातीय	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
4	एम.एस.सी. वानिकी एवं वन्यजीव	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
5	एम.एस.सी. ग्रामीण प्रौद्योगिकी	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
6	एम.एस.सी. कम्प्यूटर साइंस	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
7	एम.सी.ए. कम्प्यूटर अनुप्रयोग	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
8	एम.एस.सी. रसायनशास्त्र	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
9	एम.ए. राजनीति विज्ञान	सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली

उपरोक्त पाठ्यक्रमों को छोड़कर अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूर्ववत यथावत रहेंगे।

19/10/2022

कुलसचिव
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
जगदलपुर, जिला–बस्तर (छ.ग.)

पृ. क्रमांक / /अका./ पाठ्यक्रम/2022 जगदलपुर, दिनांक ..../10/2022

21 OCT 2022

प्रतिलिपि:–

1. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति के सचिव, राजभवन, रायपुर
2. सचिव छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर
3. आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर
4. माननीय कुलपति महोदय, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर
5. क्षेत्रीय अपर संचालक, उच्च शिक्षा, शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर
6. समस्त प्राचार्य, संबद्ध समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर
7. समस्त विभाग प्रमुख/विभागाध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर

– को ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

सहायक कुलसचिव (अकादमिक)
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
जगदलपुर, जिला–बस्तर (छ.ग.)

04 JUL 2022

उतिष्ठत जाग्रत प्राप्यवरान निबोधत

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर (छ.ग.)

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR JAGDALPUR, CHHATTISGARH

Syllabus
M.A. Hindi
(Semester Pattern)
Session 2022-23

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

Syllabus, Course Structure and Scheme of Examination of

M.A. HINDI

2 Year Postgraduate Degree Programme/Course
(SEMESTER EXAMINATION PATTERN)
FOR REGULAR STUDENTS ONLY
Under the Faculty of Arts
For Affiliated Colleges of Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar, Jagdalpur

M.A. HINDI FIRST SEMESTER

Paper No.	Title of Papers	Marks		
		External	Internal	Total
I	आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल	80	20	100
II	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	20	100
III	छायावाद पूर्ववर्ती काव्य एवं समकालीन जीवनदर्शन	80	20	100
IV	नाटक, एकांकी एवं चरित्रात्मक कृति	80	20	100
	Total	320	80	400

M.A. HINDI SECOND SEMESTER

Paper No.	Title of Papers	Marks		
		External	Internal	Total
I	उत्तर मध्यकाल एवं आधुनिक काल	80	20	100
II	मध्यकालीन काव्य	80	20	100
III	प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य	80	20	100
IV	उपन्यास, निबंध एवं कहानी	80	20	100
	Total	320	80	400

M.A. HINDI THIRD SEMESTER

Paper No.	Title of Papers	Marks		
		External	Internal	Total
I	साहित्य के सिद्धांत तथा अलोचना शास्त्र	80	20	100
II	भाषा विज्ञान	80	20	100
III	कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता	80	20	100
IV	भारतीय साहित्य	80	20	100
	Total	320	80	400

M.A. HINDI FOURTH SEMESTER

Paper No.	Title of Papers	Marks		
		External	Internal	Total
I	हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र	80	20	100
II	हिन्दी भाषा	80	20	100
III	मीडिया लेखन एवं अनुवाद	80	20	100
IV	जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	80	20	100
	Total	320	80	400

टीप :– प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत दो आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन अनिवार्य होगा एवं इसका मूल्यांकन विभाग के शिक्षकों के द्वारा किया जावेगा तथा प्राप्तांक विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जोवगा।

(डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला)

0 4 JUL 2022

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–प्रथम
आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय –

इकाई 1 – आदिकाल – इतिहास, दर्शन और साहित्येतिहास
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, *साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।*
हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ।

इकाई 2 – हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथाकाल तथा रासो काव्य, *सिद्ध नाथ एवं जैन साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ,* प्रतिनिधि रचनाकार।

इकाई 3 – पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल),
सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति–आन्दोलन, *भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ,* काव्य–धाराएँ – निर्गुण, सगुण भक्ति धारा, संत काव्य सामान्य प्रवृत्तियाँ।

इकाई 4 – सूफी प्रेमाख्यानक काव्य – प्रवृत्तियाँ प्रेमाख्यानक परम्परा और हिन्दी में विकास।
रामभक्ति काव्य, कृष्ण भक्ति काव्य, सामान्य प्रवृत्तियाँ और दार्शनिक विचारधाराएँ, उपलब्धियाँ।

इकाई 5 – लघुत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

इकाई 6 – वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

अंक विभाजन :–

इकाई 1 -	1 x 5 = 15 अंक
इकाई 2 -	1 x 5 = 15 अंक
इकाई 3 -	1 x 5 = 15 अंक
इकाई 4 -	1 x 5 = 15 अंक
इकाई 5 - लघुत्तरीय	5 x 2 = 10 अंक
इकाई 6 - वस्तुनिष्ठ	10 x 1= 10 अंक
योग	= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	= 20 अंक
कुल योग	= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (संशोधित – आचार्य रामचन्द्र शुल्क)
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास का अनुसंधानपरक अध्ययन – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य (वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन) डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य सांस्कृतिक पीठिका (हिन्दी ग्रंथ अकादमी – डॉ राममूर्ति त्रिपाठी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह

अध्यक्ष
(डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला)

04 JUL 2022

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय –

व्याख्यान एवं विवेचना के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है।

1. बीसलदेव रासो : नरपति नाल्ह
2. कबीर ग्रंथावली : संपादक – डॉ. श्याम सुंदर दास (100 साखियाँ तथा 25 पद) पद क्रमांक 11, 16, 24, 26, 27, 40, 45, 49, 60, 64, 70, 72, 75, *79, 89, 93, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 138, 268 ।*

   साखियाँ – गुरूदेव को अंग 01 से 20, सुमिरण को अंग 01 से 10, विरह को अंग 01 से 10, ग्यान को अंग 01 से 10, *चितावणी को अंग 01 से 10, माया को अंग 01 से 05, काल को अंग 01 से 10, ।*
3. मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागमति विरह खण्ड एवं सिंहल द्वीप खण्ड)

   टीप – द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 05 कवियों का एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन अनिवार्य है। इन कवियों पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे – अमीर खुसरो, मीराबाई, रहीम, रैदास, रसखान।

इकाई विभाजन :–

इकाई –1 व्याख्या
इकाई –2 नरपति नरपति नाल्ह एवं इतिहास
इकाई –3 कबीर एवं जायसी
इकाई –4 द्रुत पाठ के कवि

अंक विभाजन :–

1.	3 व्याख्या	3 x 10	= 30 अंक
2.	3 आलोचनात्मक	3 x 10	= 30 अंक
3.	5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 x 2	= 10 अंक
4.	10 वस्तुनिष्ठ / अति लघु उत्तरी	10x1	= 10 अंक
	योग		= 80 अंक
	आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
	कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी – चंदवरदाई
2. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ट शब्दावली का विश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह
6. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
7. अमीर खुसरो और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. कबीर – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी।

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

0 4 JUL 2022

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–तृतीय
छायावाद, पूर्ववर्तीकाव्य एवं समकालीन जीवन दर्शन

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय :–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित चार कवियों का अध्ययन अपेक्षित है :–

1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत नवम सर्ग
2. जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिन्ता, इड़ा, केवल दो सर्ग)
3. आचार्य विद्यासागर – 'मूकमाटी' (खण्ड –दो शब्द सो बोध नहीं, बोध सो शोध नहीं')
4. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – राम की शक्ति पूजा, जूही की कलि (राग विराग, काव्य संग्रह : डॉ. रामविलास शर्मा

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 06 कवियों का अध्ययन किया जाएगा।
जगन्नाथदास "रत्नाकर" हरिवंशराय बच्चन, मुकुटधर पांडेय, जगन्नाथदास रत्नाकर, पंत, महादेवी वर्मा (लघुत्तरीय प्रश्न द्रुत पाठ एवं पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे)

इकाई विभाजन –

इकाई 1 – व्याख्या
इकाई 2 – मैथिलीशरण गुप्त
इकाई 3 – जयशंकर प्रसाद, आचार्य विद्यासागर, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला।
इकाई 4 – द्रुत पाठ के कवि।

अंक विभाजन :–

1.	3 व्याख्या	3 x 10	= 30 अंक
2.	3 आलोचनात्मक	3 x 10	= 30 अंक
3.	5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 x 2	= 10 अंक
4.	10 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरी	10x1	= 10 अंक
	योग		= 80 अंक
	आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
	कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. साकेत एवं अध्ययन – डॉ नगेन्द्र
2. कवि निराला – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
4. कामायनी एवं पुनर्विचार – मुक्तिबोध
5. प्रसाद का काव्य – प्रमशंकर
6. मूकमाटी – आचार्य विद्यासागर
7. हिन्दी साहित्य आधुनिक परिदृश्य – अज्ञेय
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – नगेन्द्र
9. नया साहित्य नये साधना – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी।
10. हिन्दी साहित्य के इतिहास का अनुसंधान परक अध्ययन – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

[डॉ० योगेन्द्र मोतीवाला]

एम.ए. हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
(नाटक, एकांकी एवं चरित्रात्मक कृति)

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय –

नाटक	1.	ध्रुवस्वामिनी	–	जयशंकर प्रसाद
	2.	आधे –अधूरे	–	मोहन राकेश
एकांकी	1.	दीपदान	–	रामकुमार वर्मा
	2.	ताँबे के कीड़े	–	भुवनेश्वर
	3.	रीढ़ की हड्डी	–	डॉ. जगदीशचंद्र माथुर
	4.	तौलिए	–	उपेन्द्रनाथ अश्क
	5.	मम्मी ठकुराईन	–	लक्ष्मीनारायण लाल
चरितात्मक कृति–		पथ के साथी		1. निराला भाई
		(केवल दो)		2. सुभद्रा

इकाई विभाजन

इकाई 1 – व्याख्या
इकाई 2 – नाटक
इकाई 3 – एकांकी
इकाई 4 – चरितात्मक कृति
इकाई 5 – पाठ्यक्रम में से लघु उत्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन :–

1.	3 व्याख्या	3 x 10	= 30 अंक
2.	3 आलोचनात्मक	3 x 10	= 30 अंक
3.	5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 x 2	= 10 अंक
4.	10 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय	10x1	= 10 अंक
	योग		= 80 अंक
	आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
	कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1.	हिन्दी नाटक उद्भव और विकास	–	डॉ. दशरथ ओझा
2.	हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचना	–	डॉ. गिरीश रस्तोगी
3.	हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन	–	डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4.	समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि	–	डॉ. जयदेव तनेजा
5.	प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	–	जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
6.	आधुनिक हिन्दी नाटक	–	नगेन्द्र
7.	नाटक, रंगमंच और मोहन राकेश	–	डॉ. सुरेन्द्र यादव
8.	प्रसाद युगीन हिन्दी नाटक	–	डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल
9.	प्रसाद के नाटक एवं नाट्य शिल्प	–	डॉ. शान्ति स्वरूप गुप्त
10.	नाटककार मोहन राकेश	–	डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया
11.	हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास	–	रामचरण महेन्द्र
12.	हिन्दी रंगमंच : दक्षा और दिशा	–	जयदेव तनेजा

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

04 JUL 2022

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–प्रथम
उत्तर मध्यकाल एवं आधुनिक काल

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई–1 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) काल सीमा, नामकरण, प्रवृत्तियाँ रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धारायें (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियॉ एवं विशेषताएँ। रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ ।

इकाई –2 आधुनिक काल – आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। सन् 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएँ

इकाई –3 द्विवेदी युग– प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ, छायावाद– नामकरण और प्रवृत्तियॉ, प्रमुख साहित्याकार, साहित्यिक विशेषताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियॉ) प्रगतिवाद, नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय।

इकाई –4 हिन्दी गद्य का विकास –आधुनिक काल, गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों का उद्भव और विकास, उपन्यास व कहानी का विकास और सामान्य प्रवृत्तियॉ, निबंध का विकास और प्रवृत्तियॉ, नाटक का उद्भव और विकास– सामान्य प्रवृत्तियॉ, गीति– नाटकों का परिचयात्मक विवेचन ।

इकाई –5 पाठ्यक्रम में से पांच लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

इकाई –6 पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई –1	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –2	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –3	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –4	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10 अंक
इकाई –6 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय	10 × 01	= 10 अंक
योग		= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें:–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ – डॉ. नामवर सिंह
2. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नन्ददुलारे वाजपेयी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल
4. गद्य की विविध विधाएँ – डॉ. बापूराव देसाई
5. हिन्दी कहानी – उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
6. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉ – डॉ. शशि भूषण सिंह
7. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
9. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. हिन्दी साहित्य के इतिहास का अनुसंधानपरक अध्ययन – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

04 JUL 2022

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र–द्वितीय
मध्यकालीन काव्य

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जाएगा :

1. सूरदास – भ्रमरगीत सार – संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद)
   पद संख्या – 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)
2. तुलसीदास – अयोध्याकाण्ड प्रारंभिक 25 दोहा चौपाई गीताप्रेस गोरखपुर
3. बिहारी – बिहारी रत्नाकर संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)
   द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों एवं उनकी रचनाओं का (विषय एवं शिल्पगत) ज्ञान अपेक्षित है ।
   केशव, भूषण, पद्माकर, देव, घनानंद इन कवियों पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

इकाई विभागजन

इकाई 1	व्याख्या
इकाई 2	सूरदास, तुलसीदास
इकाई 3	बिहारी एवं इतिहास विषयक प्रश्न
इकाई 4	द्रुत पाठ के कवि
इकाई 5	पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन :–

1.	3 व्याख्या	3 x 10	= 30 अंक
2.	3 आलोचनात्मक	3 x 10	= 30 अंक
3.	5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 x 2	= 10 अंक
4.	10 वस्तुनिष्ठ / अति लघु उत्तरीय	10x1	= 10 अंक
	योग		= 80 अंक
	आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
	कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. बिहारी – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ – डॉ. एल.एन.दुबे
5. सूरदास – डॉ. हरबंस लाल वर्मा
6. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार, अशोक प्रकाशन नई दिल्ली
7. सूरदास – मैनेजर पाण्डेय

अध्यक्ष
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

0 4 JUL 2022

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र–तृतीय
प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

स.ही.वात्स्यायन अज्ञेय – नदी के द्वीप, असाध्यवीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, *उधार, देह वल्ली, सोन मछली*

ग.मा. मुक्तिबोध – कविता – अंधेरे में।

नागार्जुन – बसन्त की अगवानी, कोई आए तुमसे सीखे, *शिशिर विष कन्या,* तो फिर क्या हुआ, यह तुम थी, *कोयल आज बोली है,* शासन की बंदूक, *सिन्दूर तिलकित भाल,* अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा।

चन्द्रभान चंद्र – प्रेरणापुंज यशोधरा (खण्डकाव्य)

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का अध्ययन किया जायेगा ।

केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन शास्त्री, भवानी प्रसाद मिश्र, विनोद कुमार शुक्ल, धूमिल (लघुत्तरीय प्रश्न द्रुत पाठ एवं सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे)

इकाई विभाजन

इकाई –1 – व्याख्या
इकाई –2 – स.ही.वात्स्यायन अज्ञेय
इकाई –3 – मुक्तिबोध, नागार्जुन एवं चंद्रभान चंद्र
इकाई –4 – द्रुत पाठ के कवि
इकाई –5 – पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अति लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

1.	3 व्याख्या	3×10	=	30 अंक
2.	3 आलोचनात्मक	3×10	=	30 अंक
3.	5 लघुत्तरीय	5×2	=	10 अंक
4.	10 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय	10×1	=	10 अंक
	योग		=	80 अंक
	आंतरिक मूल्यांकन		=	20 अंक
	कुल योग		=	100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
2. अज्ञेय का रचना संसार – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कविता की तीसरी आंख – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
4. कविता से साक्षात्कार – मलयज
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल
6. कविता की संगत – विजय कुमार
7. कविता का अर्थात् – परमानंद श्रीवास्तव
8. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादूर सिंह
9. हिन्दी साहित्य के इतिहास अनुसंधानपरक अध्ययन – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन नई दिल्ली

[डॉ. योगेन्द्र मोतीलाल]

04 JUL 2022

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
(उपन्यास, निबंध एवं कहानी)

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

उपन्यास –	1.	गोदान	–	प्रेमचंद
	2.	मित्रो मरजानी	–	कृष्णासोबती
निबंध	1.	कछुआ धरम	–	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
	2.	कविता क्या है ?	–	रामचंद्र शुक्ल
	3.	माटी की मूरतें	–	रामवृक्ष बेनीपुरी
	4.	चन्द्रमा मनसो जात	–	विद्यानिवास मिश्र
	5.	वैष्णव की फिसलन	–	हरिशंकर परसाई
कहानी	1.	पुरस्कार	–	जयशंकर प्रसाद
	2.	उसने कहा था	–	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
	3.	ईदगाह	–	प्रेमचंद
	4.	वापसी	–	उषा प्रियम्वदा
	5.	मछुवारे की लड़की	–	विनोद कुमार वर्मा

इकाई विभाजन

इकाई 1 – व्याख्या
इकाई 2 – उपन्यास
इकाई 3 – निबंध
इकाई 4 – कहानी
इकाई 5 – लघुत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न

अंक विभाजन :–

1.	3 व्याख्या	3×10	=	30 अंक
2.	3 आलोचनात्मक	3×10	=	30 अंक
3.	5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5×2	=	10 अंक
4.	10 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय	10×1	=	10 अंक
	योग		=	80 अंक
	आंतरिक मूल्यांकन		=	20 अंक
	कुल योग		=	100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. गोपाल राम
3. हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा
4. हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ – डॉ. हरिमोहन
5. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा
6. हिन्दी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ तनेजा
7. कहानी : स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव
8. समकालीन उपन्यासों में व्यक्त नारी यातना – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–प्रथम
साहित्य के सिद्धान्त तथा आलोचना शास्त्र

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई –1 भारतीय काव्य शास्त्र
काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन और काव्य के प्रकार
रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निश्पत्ति और साधारणीकरण, रस के अंग ।

इकाई –2 अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत

इकाई –3 पाश्चात्य काव्य शास्त्र
प्लेटो – काव्य सिद्धांत
अरस्तु – अनुकरण का सिद्धांत, विरेचना सिद्धांत, लोंजाइनस–उदात्त की अवधारणा

इकाई –4 मैथ्यू आर्नल्ड– कला की अवधारणा
टी.एस. इलियट– कला की निर्वैयक्तिकता, कॉलरिज–कल्पना सिद्धांत
स्वच्छदतावाद – मार्क्सवाद

इकाई –5 पाठ्यक्रम में से कोई पांच लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

इकाई –6 पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अति लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभागजन

इकाई –1	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –2	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –3	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –4	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10 अंक
इकाई –6 वस्तुनिष्ठ / अति लघु उत्तरीय	10 × 01	= 10 अंक
योग		= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें –

1. डॉ. गणपति चन्दुगुप्त – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत
2. डॉ. भगीरथ मिश्र – पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद
3. डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी – भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज
4. डॉ. शिवकुमार मिश्र – मार्क्सवादी साहित्य के सिद्धांत
5. डॉ. नगेन्द्र – भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका
6. डॉ. निर्मला जैन – पाश्चात्य साहित्य चिंतन
7. मुलजी भाई – भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र
8. डॉ. गंगा प्रसाद विमल – आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में।
9. डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन – भारतीय साहित्य एक शोधात्मक अध्ययन। काव्या प्रकाशन नई दिल्ली।

[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए. हिन्दी
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–द्वितीय
भाषा विज्ञान

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई – 1 भाषा और भाषा विज्ञान, भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, *भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना,* भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाऍं–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई – 2 स्वन प्रक्रिया : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाऍं, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, *स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,* स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद।

इकाई – 3 व्याकरण : रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाऍं, रूपिम की अवधारणा और भेद, *मुक्त – आबद्ध अर्थदर्शी और संबंधदर्शी रूपिम और शाखाऍं, रूपिम के भेद और प्रकार्य।* वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण ।

इकाई – 4 अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता अर्थ परिवर्तन ।

इकाई – 5 पाठ्यक्रम में से पांच लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

इकाई – 6 पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई –1	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –2	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –3	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –4	1 × 15	= 15 अंक
इकाई –5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 × 2	= 10 अंक
इकाई –6 वस्तुनिष्ठ / अति लघु उत्तरीय	10 × 01	= 10 अंक
योग		= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
कुल योग		= 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. सामन्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भारत के भाषा परिवार – डॉ. रामनिवास शर्मा
4. भाषा शास्त्र की रूपरेखा – उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास बाजपेयी
6. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी
7. सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना
8. हिन्दी और उसका संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
9. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
10. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा – द्वारिका प्रसाद मिश्र
11. भारतीय साहित्य : एक शोधात्मक अध्ययन – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीलाल]

04 JUL 2022

एम.ए. हिन्दी
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–तृतीय
कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई–1 हिन्दी के विभिन्न रूप– सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई–2 पारिभाषिक शब्दावली, स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली। हिन्दी कम्प्यूटर– कम्प्यूटर परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज पब्लिशिंग परिचय।

इकाई–3 इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्यतता के सूत्र। इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप। हिन्दी साफ्टवेयर पैकेज। पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–4 समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यवहारिक प्रूफशोधन, शीर्षक संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक,
संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

इकाई–5 संपूर्ण पाठ्यक्रम से पांच लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

इकाई–6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

इकाई–1	–	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–2	–	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–3	–	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–4	–	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–5	–	5 X 2	= 10 अंक
इकाई–6	–	10X 01	= 10 अंक
योग			= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन			= 20 अंक
कुल योग			= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें–

1. प्रयोजन पूरक हिन्दी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित
2. प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पा कुमारी, क्लासिक पब्लिक कम्पनी
3. पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
4. हिन्दी पत्रकारितार – कृष्ण बिहारी मिश्र
5. भारतीय समाचारास पत्रों का संगठन एवं प्रबंधन – डॉ. सुकुमार जैन
6. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भनावत
7. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
8. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए.–हिन्दी
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
भारतीय साहित्य

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई–1 भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

इकाई–2 पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग के अन्तर्गत मराठी साहित्य के इतिहास का अध्ययन।

इकाई–3 हिन्दी भाषा साहित्य एवं बांग्ला भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4 उपन्यास– अग्निगर्भ (बंग्ला– महाश्वेता देवी)
नाटक– हयवदन (कन्नड़–गिरीश कर्नाड)
कविता संग्रह– कोच्चि के दरख्त (मलयालम–के.जी. शंकर पिल्लै)
इकाई चार के अन्तर्गत केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

इकाई–5 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पांच लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

इकाई–6 संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन :–

इकाई–1	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–2	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–3	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–4	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2	= 10 अंक
इकाई–6 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय	10X 01	= 10 अंक
योग		= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. मलयालम साहित्य– परख और पहचान – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
2. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
3. मराठी भाषा और साहित्य – राजमल वोरा
4. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
5. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
6. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय साहित्य रत्नमाला – सं.कृष्णदयाल भार्गव
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याऍ – डॉ. रामविलास शर्मा
9. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास – केन्द्रीय हिन्दी निर्देशालय, दिल्ली
10. भारतीय साहित्य : अवधारणा, समन्वय एवं सादृश्यता – जगदीश गुप्त
11. भारतीय साहित्य – एक शोधात्मक अध्ययन – डॉ.रामायण प्रसाद टण्डन काव्य प्रकाशन नई दिल्ली

[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

एम.ए.–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–प्रथम
हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई–1	मनोविश्लेषण वाद, अस्तित्ववाद, *अभिजात्यवाद,* स्वच्छंदतावाद, *अभिव्यंजनावाद,* मार्क्सवाद, आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ, *संरचनावाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता।*
इकाई–2	हिन्दी कवि आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन– लक्षण काव्य परम्परा आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, *डॉ. रामविलास शर्मा, केशव, देव।*
इकाई–3	आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – शास्त्रीय, ऐतिहासिक, *मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्य शास्त्रीय,* शैली वैज्ञानिक।
इकाई–4	व्यवहारिक समीक्षा : काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार व्याख्या
इकाई–5	संपूर्ण पाठ्यक्रम में से कोई पांच लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।
इकाई–6	संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अति लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ।

अंक विभाजन

इकाई–1	–		1 X 15	= 15 अंक
इकाई–2	–		1 X 15	= 15 अंक
इकाई–3	–		1 X 15	= 15 अंक
इकाई–4	–		1 X 15	= 15 अंक
इकाई–5	–	लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 2	= 10 अंक
इकाई–6	–	वस्तुनिष्ठ	10 X 01	= 10 अंक
योग				= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन				= 20 अंक
कुल योग				= 100 अंक

निधारित पुस्तकें :–

1. डॉ. गोविंद त्रिगुणायत – शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग 1 एवं 2
2. डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र – हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास
3. डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल – हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ
4. डॉ. शिवकरण सिंह – आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य
5. डॉ. नंदकिशोर नवल – हिन्दी आलोचना का विकास
6. योगेन्द्र शाही – अस्तित्ववाद किर्कगार्द से कामू तक
7. रणधीर सिन्हा – आलोचनात्मक रामविलास शर्मा

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए.–हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–द्वितीय
हिन्दी भाषा

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई–1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ–पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई–2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी, हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई–3 हिन्दी के विविध रूप– संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई–4 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ– आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनीशोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण। देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण।

इकाई–5 संपूर्ण पाठ्यक्रम से पांच लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई–6 संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ अतिलघुत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजन :–

इकाई–1	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–2	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–3	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–4	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2	= 10 अंक
इकाई–6 वस्तुनिष्ठ / अति लघु उत्तरीय	10X 01	= 10 अंक
योग		= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी और उसकी विविध बोलिया – प्रो. दीपचंद जैन
3. भाषा भूगोल – कैलाशचंद भटिया हिन्दी समिति उ.प्र.शासन लखनऊ
4. हिन्दी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी समस्याएँ और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा
6. नागरी लिपि और हिन्दी – अनंत चौधरी
7. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
8. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. हिन्दी साहित्य के इतिहासकर अनुसंधानपरक अध्ययन – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन नई दिल्ली

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

04 JUL 2022

SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR, JAGDALPUR
SESSION 2022-23

एम.ए.हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–तृतीय
मीडिया–लेखन एवं अनुवाद

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई –1 मीडिया लेखन
जनसंचार : प्रौद्योगिक एवं चुनौतियॉ, विभिन्न जनसंचार–माध्यमों का स्वरूप– मुद्रण, श्रवण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रवण–माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति। *समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।*

इकाई –2 दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो), दृश्य–माध्यमों में प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर) *पटकथा–लेखन, टेली–ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा।*

इकाई –3 अनुवाद – सिद्धांत एवं व्यवहार
अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, *वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।*

इकाई –4 व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग, आदि पत्रों के अनुवाद, पदनामों–अनुभागों– दस्तावेजों–प्रतिवेदनों के अनुवाद, *साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार–कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, दुभाषिया–प्रविधि।*

अंक विभाजन :–

इकाई–1	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–2	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–3	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–4	1 X 15	= 15 अंक
इकाई–5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 X 2	= 10 अंक
इकाई–6 वस्तुनिष्ठ /अति लघु उत्तरीय	10X 01	= 10 अंक
योग		= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		= 20 अंक
कुल योग		= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – डॉ. चन्द्रकुमार (क्लासिकल पब्लिक कंपनी)
2. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
3. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भागवन्त (उ.प्र. जयपुर)
4. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
5. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोनमूलक विविध प्रयोग : डॉ. कृष्णकुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)
6. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
7. अनुवाद के सिद्धांत – सुरेश कुमार
8. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
9. अनुवाद–बोध – डॉ. गार्गी गुप्ता (भारतीय अनुवाद परिषद दिल्ली)

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

04 JUL 2022

एम.ए.हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–चतुर्थ
जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

सेमेस्टर परीक्षा – अधिकतम अंक : 80
आंतरिक मूल्यांकन – अधिकतम अंक : 20

पाठ्य विषय–

इकाई –1 छत्तीसगढ़ी भाषा–भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई –2 छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियॉ एवं इतिहास।

इकाई –3 छत्तीसगढ़ी संत परंपरा एवं छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि –

1. छत्तीसगढ़ के प्रथम संत लोकज्ञानी एवं निर्गुण ज्ञानी गुरूघासीदास के चार पद एवं वाणी
   1. सतनाम, सतनाम सार
   2. ये माटी के काया ये माटी के चोला
   3. अपन घट ही के देवता ला मनाबो
   4. सतनाम ले ला हो
2. सुन्दरलाल शर्मा
3. मुकुटधर पाण्डेय
4. हरि ठाकुर
5. डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

इकाई –4 छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास

1. करमछड़हा (नाटक) – डॉ. खूबचंद बघेल
2. आवा – परदेशीराम वर्मा
3. चंद्रकला (उपन्यास) – डॉ. जे.आर. सोनी

इकाई –5 द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित रचनाकार का अध्ययन (पांच लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे)

(1) लखन लाल गुप्त (2) लक्ष्मण मस्तुरिहा (3) केयूर भूषण
(4) मुकुन्द कौशल (5) लोचन प्रसाद पाण्डेय (6) लाला जगदलपुरी
(7) पवन दीवान (8) कोदूराम दलित

इकाई –6 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ/लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन :–

इकाई–1	1 x 15 = 15 अंक
इकाई–2	1 x 15 = 15 अंक
इकाई–3	1 x 15 = 15 अंक
इकाई–4	1 x 15 = 15 अंक
इकाई–5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5 x 2 = 10 अंक
इकाई–6 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय	10X 01 = 10 अंक
योग	= 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	= 20 अंक
कुल योग	= 100 अंक

निर्धारित पुस्तकें

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्‌विकास – डॉ नरेन्द्र देव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी, हल्बी, भतरी भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन – भालचंद्र राव तैलंग
3. छत्तीसगढ़ी परिचय – डॉ. बलदेव मिश्र
4. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन – दयाशंकर शुक्ल

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

5. संत गुरू घासीदास जी के प्रामाणिक चार पद – सं. डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन और बयालिस अमृत वाणियाँ है
6. छत्तीसगढ़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. शंकर शेष
7. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली – प्यारेलाल गुप्त
8. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और भाषा – डॉ. बिहारी लाल साहू
9. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य – डॉ. सत्यभामा आडिल
10. छत्तीसगढ़ी के साहित्यकार – देवीप्रसाद वर्मा
11. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण – चंद्रकुमार चंद्राकर

[डॉ॰ योगेन्द्र मोतीवाला]